किसान ... हमला

...गुलदार का
...नही ले रहा
...ाम खेत से
... किसान पर
... मारा दिया।
...ा मुकाबला
... भागने को
...लवार शाम
...वासी राकेश
...जानवरों के
...ा था। रास्ते
...गी पर पीछे
... गुलदार के
...थ पर पंजा
...ही किसान
...र गुलदार
...। ग्रामीणों

प्रो. ईश्वर भारद्वाज को किया सम्मानित

अमर उजाला ब्यूरो

योग को शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित करने पर मिला इनाम

हरिद्वार। योग को एक पाठ्यक्रम के रूप में मान्यता और शिक्षा के क्षेत्र में योग को स्थापित करने वाले गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ईश्वर भारद्वाज को मुख्यमंत्री हरीश रावत ने देहरादून में सम्मानित किया। योग के क्षेत्र में अति विशिष्ट कार्य करने पर मुख्यमंत्री हरीश रावत और स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने प्रो. ईश्वर भारद्वाज को प्रशस्ति पत्र, 25000 रुपये का चैक और शॉल प्रदान कर उनका सम्मानित किया।

प्रो.ईश्वर भारद्वाज।

भारत के विश्वविद्यालयों में बीए, एमए और शोध (पीएचडी) क्षेत्र में योग को एक पाठ्यक्रम के रूप में मान्यता मिलना भी प्रो. ईश्वर भारद्वाज के प्रयास का ही परिणाम है। प्रो. ईश्वर भारद्वाज ने गुरुकुल कांगड़ी विवि में 1982 में पहली बार योग को शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित करते हुए त्रिमासिक सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत की। इसके बाद से उनके प्रयासों से विवि में पीजी डिप्लोमा, एमए और पीएचडी योग विषय में शुरू हुए। आज शिक्षा के क्षेत्र में योग देश के अधिकतर विवि में एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है। उनके इस विशिष्ट कार्य के केन्द्रीय आयुष मंत्रालय भी प्रो. ईश्वर भारद्वाज को फरवरी 2016 में सम्मानित कर चुका है। कई राज्यों के राज्यपाल भी प्रो. भारद्वाज को सम्मानित कर चुके हैं।

देहरादून में सीएम द्वारा सम्मानित किए जाने पर गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार, कुलसचिव प्रो. राजेंद्र अग्रवाल, डा. प्रदीप जोशी सहित विवि के शिक्षकों और कर्मचारियों ने बधाई दी है। विवि के कुलपति का कहना है कि योग को बढावा देने के लिए विवि प्रशासन इसी तरह से प्रयास करता रहेगा।